CORDOVA® App 24X7 For Teachers Only

FREE SMART CLASS SOFTWARE WITH WEB SUPPORT
FOR TEACHERS ONLY

नव भारती

हिंदी पाठमाला

2

Scanned with CamScanner

विषय-सूची

	पाठ का नाम	विधा	पृष्ठ संख्या
1.	हम अनेक, किंतु एक	कविता	9
2.	बीरबल की सूझ-बूझ	चित्रकथा	13
	केवल पढ़ने के लिए (मटरू और पेंसिल)		19
3.	ऐसे थे वे	प्रेरक प्रसंग	21
4.	सही समय पर	कविता	26
5.	नन्हा पौधा	संवाद	30
	केवल पढ़ने के लिए (जड़ और फूल)		37
6.	घमंडी बारहसिंगा	शिक्षाप्रद कहानी	38
	माथापच्ची	–	43
7.	मेरा घर	कविता	44

भाषा की योग्यता और कौशल

पाठ संख्या	सुनना, बोलना और पढ़ना	लिखना	गतिविधियाँ	संदेश
1.	कविता कंठस्थ करके उसका प्रभावशाली ढंग से वाचन, शब्दार्थ, शुद्ध उच्चारण तथा प्रश्नों के उत्तर देना।	पंक्तियाँ पूरी करना, प्रश्नों के उत्तर देना, पाठ से आगे, समानार्थक शब्द में ✓ निशान लगाना तथा शब्दों का वचन से मिलान करना।	विषयानुसार प्रश्न पूछना तथा वेशभूषा के आधार पर मिलान करना।	हम सब एक हैं।
2.	चित्रकथा का प्रभावशाली ढंग से वाचन, शब्दार्थ, शुद्ध उच्चारण तथा प्रश्नों के उत्तर देना।	किसने कहा?, प्रश्नों के उत्तर देना, पाठ से आगे, शब्दों को जोड़कर लिखना, संज्ञा शब्दों को रेखांकित करना तथा संयुक्त व्यंजनों के प्रयोग से शब्द बनाना।	ये भी जानें, नाटक-मंचन करना तथा रेखाएँ खींचकर चित्र बनाना।	सूझ-बूझ और बुद्धिमानी से कठिन-से-कठिन काम भी आसान बन जाता है।
3.	प्रेरक प्रसंग का प्रभावशाली ढंग से वाचन, शब्दार्थ, शुद्ध उच्चारण तथा प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर देना, पाठ से आगे, विलोम शब्द में ✓ निशान लगाना तथा पुल्लिंग शब्दों का स्त्रीलिंग रूप से मिलान करना।	खोजबीन, विषयानुसार एक-दूसरे को बताना तथा अपने अनुभव के आधार पर बताना।	गलत कामों से दूर रहकर हमें अच्छे बच्चे बनना चाहिए।
4.	कविता कंठस्थ करके उसका प्रभावशाली ढंग से वाचन, शब्दार्थ, शुद्ध उच्चारण तथा प्रश्नों के उत्तर देना।	पंक्तियाँ पूरी करना, प्रश्नों के उत्तर देना, पाठ से आगे, पर्यायवाची शब्द छाँटना तथा मिलते-जुलते शब्दों का मिलान करना।	सुनिए और बताइए, बातचीत, कविता गान तथा घड़ी में समय देखकर लिखना।	हर काम समय से करना चाहिए।
5.	कथा को प्रभावशाली ढंग से पढ़ने का अभ्यास, शब्दार्थ, शुद्ध उच्चारण तथा प्रश्नों के उत्तर देना।	किसने, किससे कहा?, प्रश्नों के उत्तर देना, पाठ से आगे, बहुवचन रूप से मिलान करना, अनुस्वार-अनुनासिक का प्रयोग करना तथा सर्वनाम शब्दों को गोला करके लिखना।	खोजबीन, पेड़ों से मिलने वाली चीज़ों के नाम लिखना तथा गतिविधि।	पेड़ हमारे दोस्त हैं। हमें उनकी देखभाल करनी चाहिए।
6.	कहानी का प्रभावशाली ढंग से वाचन, शब्दार्थ, शुद्ध उच्चारण तथा प्रश्नों के उत्तर देना।	कहानी में पहले क्या हुआ? सही क्रम लिखना, प्रश्नों के उत्तर देना, पाठ से आगे, विशेषण शब्द रेखांकित करके लिखना, कौन, क्या कहलाता है? मिलान करना तथा द्वित्व व्यंजन वाले शब्द लिखना।	ये भी जानें, जिनमें अपनी परछाईं देख सकते हैं उनके नाम बताना, ऐसे कौन-कौन चलता है लिखना तथा कल्पना के आधार पर बताना।	गुणों में ही खूबसूरती होती है।
7.	कविता कंठस्थ करके उसका प्रभावशाली ढंग से वाचन, शब्दार्थ, शुद्ध उच्चारण तथा प्रश्नों के उत्तर देना।	पंक्तियाँ पूरी करना, प्रश्नों के उत्तर देना, पाठ से आगे, वाक्यों को बदलकर लिखना, सोच-समझकर मिलान करना तथा विलोम शब्द छाँटकर लिखना।	खोजबीन, चित्र बनाकर रंग भरना तथा माँ के बारे में दो वाक्य लिखना।	माँ से घर बनता है।

Scanned with CamScanner

खेलेंगे, कूदेंगे
करेंगे व्यायाम,
अच्छी सेहत संग
होंगे पूरे काम।

शिक्षक के लिए

- बच्चों को चित्र दिखाकर उनसे प्रश्न पूछें कि चित्र में कौन-कौन-से खेल खेले जा रहे हैं? आपको कौन-सा खेल पसंद है? बच्चों को बताएँ कि खेल-कूद से सेहत अच्छी रहती है। इसलिए हमें रोज़ कुछ समय पार्क में जाकर खेलना भी चाहिए।

Scanned with CamScanner

1 हम अनेक, किंतु एक

(कविता)

कक्षा में स्मार्ट बोर्ड पर कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर का प्रयोग करें, जिसके माध्यम से बच्चे इस कविता का रोचक एवं प्रभावशाली ढंग से लयबद्ध गान करेंगे।

हम **अनेक**, किंतु एक।
बोलियाँ हज़ार हैं,
टोलियाँ हज़ार हैं।
कंठ जो अनेक हैं,
राग भी अनेक हैं।
किंतु गीत **भाव** एक,
हम अनेक, किंतु एक।।

हम अनेक, किंतु एक।
हैं कई प्रदेश के,
किंतु एक देश के।
विविध रूप-रंग हैं,
भारत के संग हैं।
स्वर अनेक, बात एक,
हम अनेक, किंतु एक।।

संदेशः हम सब एक हैं।

शिक्षक के लिए

- बच्चों को कविता सुनाते हुए छोटे-छोटे प्रश्न पूछें; जैसे– हम किस देश के निवासी हैं? हमें कैसे रहना चाहिए?
- बच्चों को विद्यालय में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में इस कविता का लयबद्ध गान करने के लिए प्रेरित करें।

Scanned with CamScanner

शब्द-अर्थ

कंठ	–	गले से निकला स्वर	**भाव**	–	भावना
अनेक	–	एक से अधिक	**विविध**	–	कई तरह के
राग	–	संगीत का स्वर	**रूप**	–	सूरत, शक्ल

वाचन/श्रुतलेख– बोलियाँ, कंठ, राग, भाव, अनेक, प्रदेश, विविध, स्वर।

अभ्यास

कक्षा में **स्मार्ट बोर्ड** पर **कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर** के माध्यम से इस पाठ का अभ्यास-कार्य कराएँ।

पाठ से

मौखिक

सोचिए और बताइए–

(क) हम सबको किसने बनाया है?

(ख) राग अनेक होते हुए भी गीत भाव कितने हैं?

(ग) यह कविता आपको कैसी लगी और क्यों?

लिखित

1. **दी गई कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–**

कंठ .... हैं,
.... अनेक हैं।
किंतु .... एक,
.... एक।।

2. **दिए गए प्रश्नों के उत्तर कुछ शब्दों में लिखिए–**

(क) बोलियाँ और टोलियाँ कितनी हैं? ....

(ख) कई प्रदेशों के होने के बाद भी क्या एक है? ....

(ग) भारत के संग कैसे रूप-रंग हैं? ....

(घ) स्वर कितने हैं? ....

3. **दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

(क) कविता में किस-किस को अनेक बताया है?

(ख) कविता में किस-किस को एक बताया है?

पाठ से आगे

आपकी सोच-समझ

- इस कविता से आपको क्या सीख मिलती है?

भाषा की दुनिया — समानार्थक शब्द, वचन

1. समान अर्थ वाले शब्दों को **समानार्थक** या **पर्यायवाची शब्द** कहते हैं; जैसे– माँ– माता, जननी।

दिए गए शब्दों के समानार्थक शब्द पर ✓ का निशान लगाइए–

दुनिया	–	जग	✓	शहर	☐	नगर	☐
धरती	–	सूरज	☐	आकाश	☐	ज़मीन	☐
संग	–	साथ	☐	उलटा	☐	पीछे	☐
रूप	–	देश	☐	सूरत	☐	संगीत	☐

Scanned with CamScanner

2. शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का पता चले, उसे **वचन** कहते हैं; जैसे– घड़ी (एकवचन) घड़ियाँ (बहुवचन)

दिए गए शब्दों का एकवचन या बहुवचन से मिलान कीजिए–

किताब →		टोलियाँ
बोलियाँ	एकवचन	बोली
टोली	बहुवचन	कविता
कविताएँ		किताबें

रचनात्मक

आओ कुछ नया करें

- आप कहाँ रहते हैं? आप कौन-सी भाषा बोलते हैं? आपको क्या पहनना पसंद है और आपको खाने में क्या-क्या पसंद है? एक-दूसरे से इस तरह के प्रश्न पूछिए।
- दिए गए चित्रों में बच्चों ने अलग-अलग वेशभूषा पहनी है। आप पहचानकर मिलान कीजिए कि बच्चों ने किस जगह की वेशभूषा पहनी है?

राजस्थान तमिलनाडु पंजाब कश्मीर

Scanned with CamScanner

2 बीरबल की सूझ-बूझ

(चित्रकथा)

कक्षा में स्मार्ट बोर्ड पर कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर का प्रयोग करें, जिसके माध्यम से बच्चे इस चित्रकथा को रोचकपूर्ण एवं प्रभावशाली ढंग से पढ़ेंगे।

एक बार **बादशाह** अकबर ने राजदरबार में बैठे लोगों की बुद्धि की **परीक्षा** लेने की सोची। उन्होंने बोर्ड पर एक लंबी रेखा खींची और **ऐलान** किया–

राजदरबार में बैठे सब लोगों को यह काम बहुत आसान लगा। सब मन-ही-मन सोचने लगे–

इस आसान काम को सुनकर सब मन-ही-मन खुश हो रहे थे। तभी बादशाह अकबर बोले–

शर्त सुनकर सब चौंक गए।

सबसे पहले मंत्री जी आगे आए। बोर्ड पर खींची रेखा को एकटक देखते रहे कि इसको कैसे छोटा किया जाए! जब कुछ समझ में न आया, तो मुँह लटकाए वापस अपनी जगह पर आकर बैठ गए।

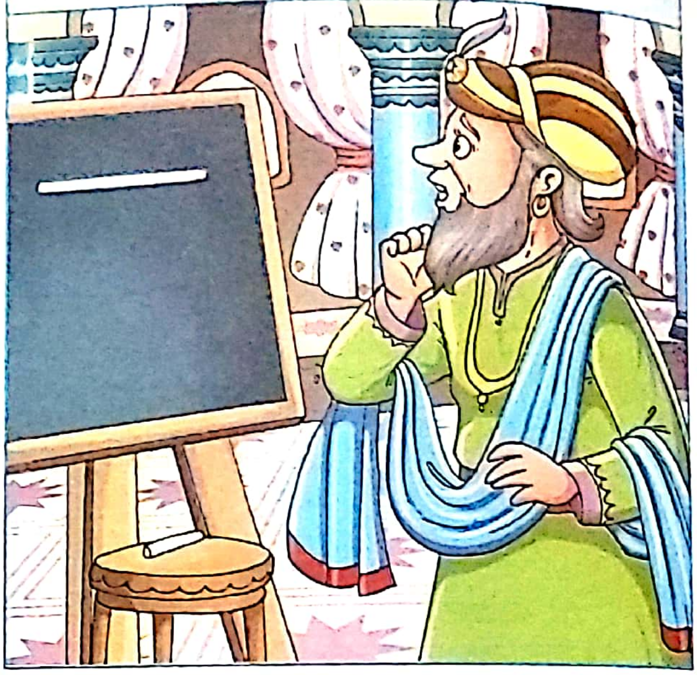

इस तरह दरबार में बैठे सभी लोग एक-एक करके आगे आए। रेखा को देखा, खूब **माथापच्ची** की लेकिन किसी को कुछ समझ में नहीं आया।

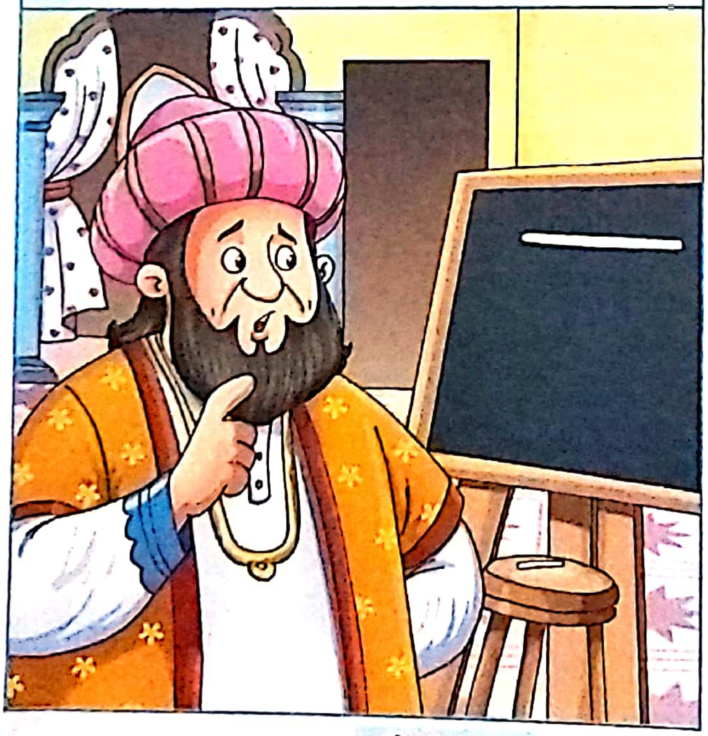

अंत में बादशाह अकबर ने बीरबल से कहा–

सोचिए और बताइए– खींची हुई रेखा को कौन छोटी करेगा?

Scanned with CamScanner

अब बीरबल आगे आए और उस खींची हुई रेखा के नीचे एक लंबी रेखा खींच दी।

सब बीरबल की वाह-वाही करने लगे।

बादशाह अकबर बीरबल को इनाम देते हुए बोले-

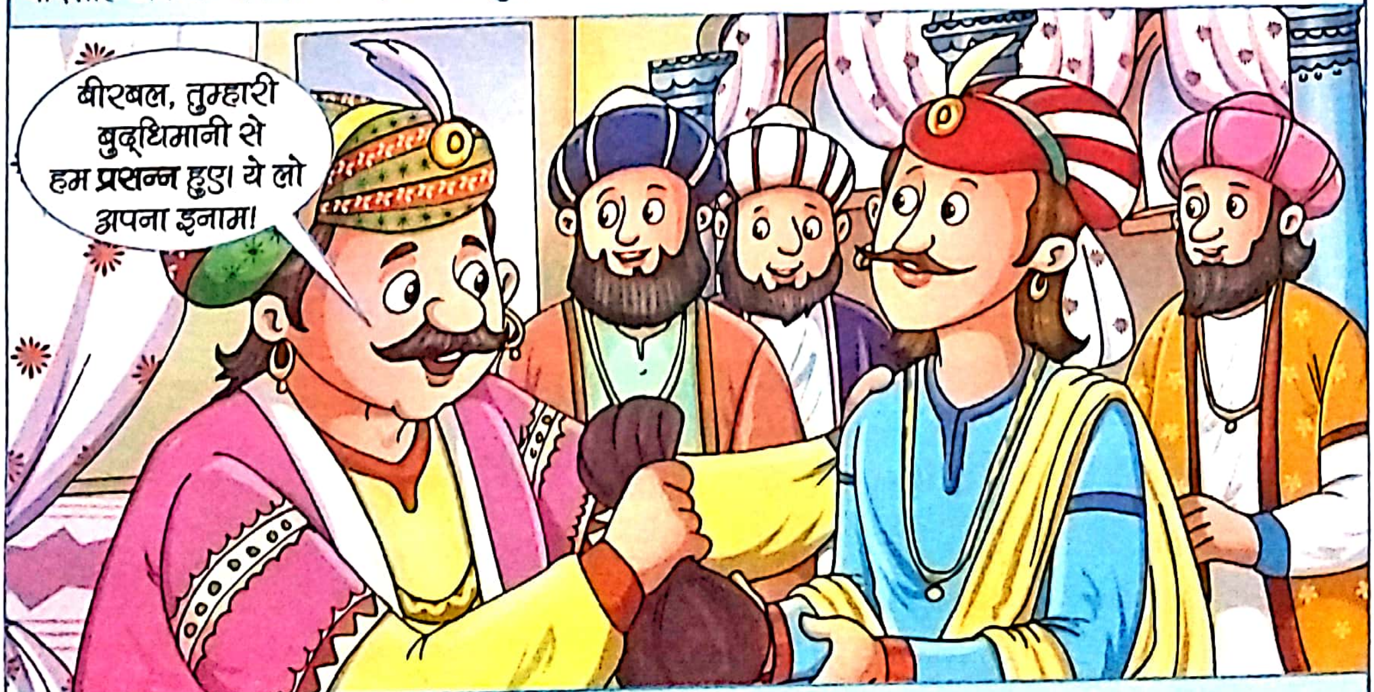

इस तरह बादशाह अकबर ने बीरबल को सौ सोने के सिक्के इनाम में दिए।

संदेश: सूझ-बूझ और बुद्धिमानी से कठिन-से-कठिन काम भी आसान बन जाता है।

Scanned with CamScanner

शब्द-अर्थ

शर्त	– किसी काम को करने का नियम	ऐलान	– घोषणा
परीक्षा	– इम्तिहान, योग्यता को परखना	बादशाह	– राजा
मुँह लटकाना	– निराश होना	प्रसन्न	– खुश
बुद्धिमानी	– समझदारी	माथापच्ची	– खूब दिमाग लगाना

☞ **वाचन/श्रुतलेख–** परीक्षा, ऐलान, शर्त, माथापच्ची, बुद्धिमानी, प्रसन्न।

अभ्यास

कक्षा में स्मार्ट बोर्ड पर कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर के माध्यम से इस पाठ का अभ्यास-कार्य कराएँ।

पाठ से

मौखिक

सोचिए और बताइए–

(क) बादशाह अकबर ने क्या ऐलान किया?

(ख) शर्त सुनकर राजदरबार में बैठे सब लोग किस सोच में पड़ गए?

लिखित

1. किसने कहा? लिखिए– **किसने**

(क) "जो भी इस रेखा को छोटी कर देगा, उसे इनाम दिया जाएगा।" ....

(ख) "लीजिए हुजूर! आपकी खींची हुई रेखा छोटी हो गई, वो भी बिना मिटाए।" ....

Scanned with CamScanner

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) बादशाह अकबर ने क्या शर्त रखी?

(ख) बीरबल ने खींची हुई रेखा कैसे छोटी की?

(ग) बादशाह अकबर ने बीरबल को इनाम में क्या दिया?

पाठ से आगे

आपकी सोच-समझ

- यदि आपसे खींची हुई रेखा को लंबी करने के लिए कहा जाए वो भी बिना बढ़ाए, तो आप क्या करेंगे?

भाषा की दुनिया — नए शब्द, संज्ञा शब्द, संयुक्त व्यंजन

1. दिए गए शब्दों को जोड़कर लिखिए–

राज + दरबार = ... बुद्धि + मानी = ...

माथा + पच्ची = ... महा + राज = ...

2. नाम वाले शब्दों को **संज्ञा** शब्द कहते हैं; जैसे– राहुल, तितली, पेड़।

दिए गए वाक्यों में संज्ञा शब्दों को रेखांकित कीजिए–

(क) अकबर ने ऐलान किया।

(ख) सब राजदरबार में बैठे थे।

(ग) सबसे पहले मंत्री आगे आया।

(घ) हुज़ूर, ऐसे कैसे हार मान सकता हूँ!

(ङ) सब बीरबल की वाह–वाही करने लगे।

Scanned with CamScanner

3. संयुक्त व्यंजन दो व्यंजनों के मेल से बनते हैं। ये संख्या में चार होते हैं–

क् + ष = **क्ष** त् + र = **त्र** ज् + ञ = **ज्ञ** श् + र = **श्र**

दिए गए संयुक्त व्यंजनों के प्रयोग से दो-दो शब्द बनाकर लिखिए–

क्ष – ......क्षत्रिय...... ....

त्र – ......त्रिशूल...... ....

ज्ञ – ......ज्ञान......... ....

श्र – ......श्रम......... ....

रचनात्मक

ये भी जानें

- इन शब्दों को ऐसे भी लिख सकते हैं– **लंबी** – लम्बी **बुद्धि** – बुद्धि

आओ कुछ नया करें

- इस चित्रकथा का बालसभा में पूरी तैयारी के साथ नाटक-मंचन कीजिए।
- बिंदुओं को जोड़कर तरह-तरह की रेखाएँ खींचकर चित्र बनाइए–

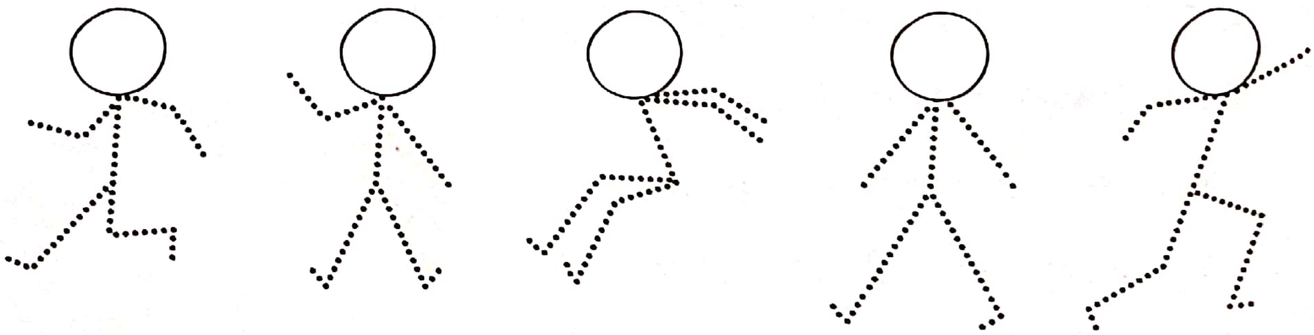

इसी तरह आप और भी चित्र बना सकते हैं।

केवल पढ़ने के लिए

मटरू और पेंसिल

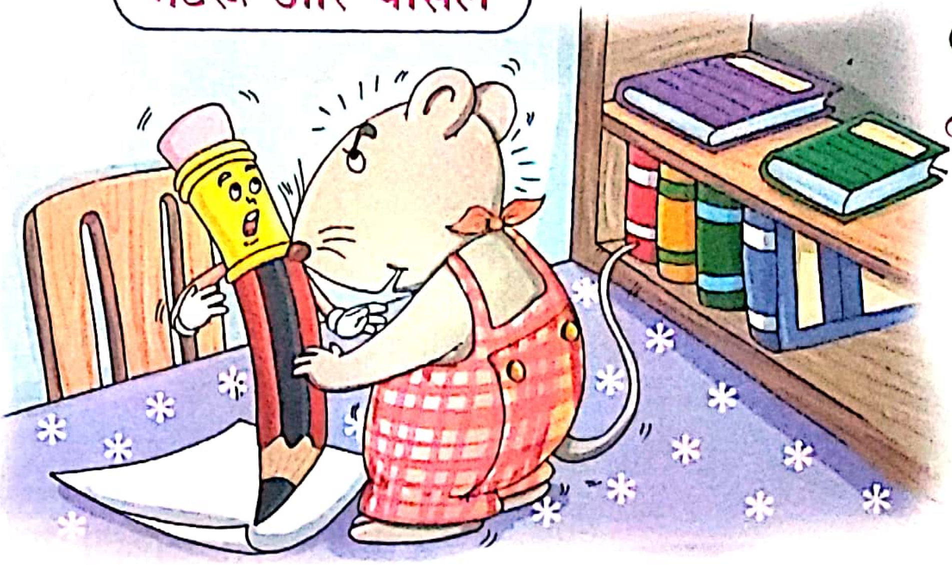

एक था चूहा। उसका नाम था मटरू। एक दिन वह खाने की खोज में इधर-उधर घूम रहा था। तभी उसे मेज़ पर रखी एक रंग-बिरंगी पेंसिल दिखाई दी। वह कूदकर मेज़ पर चढ़ गया। वह पेंसिल को कुतरने ही वाला था कि पेंसिल बोली, "मटरू भाई! मुझे क्यों कुतर रहे हो?" मटरू अकड़ते हुए बोला, "मुझे कुतरने में मज़ा आता है।"

पेंसिल ने मटरू को खूब समझाया कि वह उसे न कुतरे लेकिन मटरू कहाँ मानने वाला था! फिर अपने दिमाग पर ज़ोर डालते हुए पेंसिल बोली, "ठीक है मटरू भाई! अगर तुम मुझे कुतरना ही चाहते हो, तो कुतर लेना लेकिन उससे पहले मैं तुम्हारे लिए कुछ खाने की चीज़ें बनाना चाहती हूँ।"

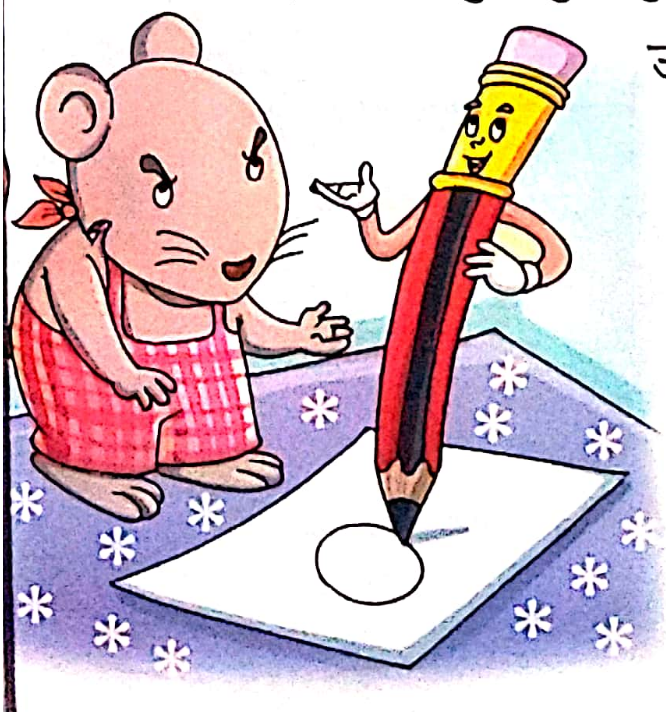

मटरू को पेंसिल की बात अच्छी लगी और वह मान गया। मेज़ पर रखे कागज़ पर पेंसिल ने एक सुंदर-सा छोटा गोला बनाया।

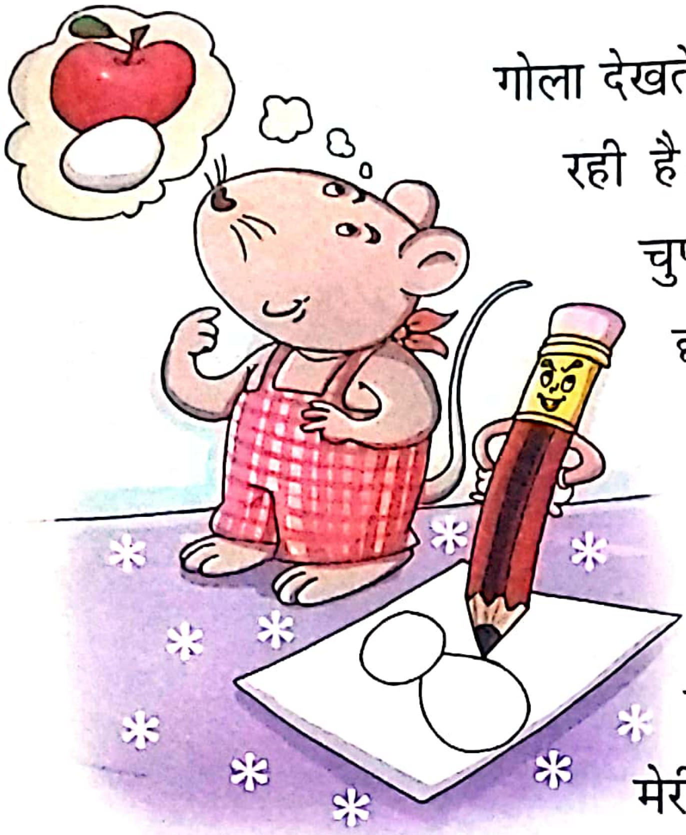

गोला देखते ही मटरू बोला, "वाह! ये तो सेब बना रही है। यह तो मुझे बहुत पसंद है।" पेंसिल चुपचाप चित्र बनाने में लगी रही। उसने छोटे गोले के नीचे लंबा-सा एक और गोला बनाया जो अंडे की तरह लग रहा था। यह देख मटरू खुशी से उछलते हुए बोला, "यह तो अंडा है। सेब और अंडा खाकर तो मज़ा आ जाएगा। आज तो मेरी अच्छी दावत होगी।" यह सोचते हुए वह दावत के सपनों में खो गया।

देखते-ही-देखते बिना रुके पेंसिल ने दो तिकोने कान, एक लंबी-सी पूँछ, दो गोल-गोल आँखें, एक प्यारी-सी नाक और दो-दो हाथ-पैर बना दिए, और झट-से मुँह के पास लंबी-सी मूँछें भी बना दीं।

मटरू तो आँखें बंद किए दावत के सपने देख रहा था। लेकिन यह क्या! मटरू ने जब आँखें खोलीं, तो चित्र देखकर वह ज़ोर-से चिल्लाया, "अरे! ये तो मेरी जान की आफ़त बिल्ली है। भागो-भागो...! नहीं तो, यह मुझे पकड़ लेगी।" मटरू को नौ दो ग्यारह होते देख पेंसिल खूब हँसी।

ऐसे थे वे

(प्रेरक प्रसंग)

कक्षा में स्मार्ट बोर्ड पर कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर का प्रयोग करें, जिसके माध्यम से बच्चे इस पाठ को रोचक एवं प्रभावशाली ढंग से पढ़ेंगे।

एक नन्हें नाम का बालक अपने साथियों के साथ **स्कूल** से घर लौट रहा था। रास्ते में आम का एक बाग दिखाई दिया। बच्चों का मन हुआ– क्यों न उस बाग में जाकर फल तोड़कर खाए जाएँ! सब बच्चे तैयार हो गए। नन्हें भी साथियों के साथ आम के बगीचे में गया। सभी बच्चे माली से नज़र बचाकर आम तोड़ने लगे। लेकिन नन्हें चुपचाप एक कोने में खड़ा रहा। साथियों ने **उकसाया**, "अरे! **बुत-सा** क्यों खड़ा है नन्हें, तू भी क्यों नहीं दो-चार आम तोड़ लेता?" लेकिन नन्हें के दिल ने चोरी से आम तोड़ने की **आज्ञा** नहीं दी। उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि वह क्या करे!

शिक्षक के लिए

- इस पाठ को प्रभावशाली ढंग से पढ़ाएँ।
- बातचीत की शैली में बच्चों से छोटे-छोटे प्रश्न पूछें; जैसे– क्या हमें बिना पूछे किसी की चीज़ लेनी चाहिए? क्या हमें ऐसे पेड़ पर चढ़ना चाहिए? आप अच्छे बच्चे कैसे कहलाएँगे?

Scanned with CamScanner

इसी बीच एक खिले हुए गुलाब के फूल पर नन्हें की नज़र पड़ी। सुंदर फूल को देखकर नन्हें का **जी ललचा** गया और उसने गुलाब का फूल तोड़ लिया। तभी बाग का माली डंडा बजाते हुए आ धमका। उसे देखते ही सारे लड़के तो भाग खड़े हुए लेकिन नन्हें जहाँ का तहाँ खड़ा रहा। माली ने उसे पकड़ लिया और कहा, "कहाँ है तेरा घर! चल मैं तुझे तेरे पिता जी के पास ले चलता हूँ।" नन्हें **सहमते** हुए बोला, "मेरे पिता जी अब इस दुनिया में नहीं हैं।" बालक की यह बात सुनकर माली का गुस्सा पहले से कुछ कम हुआ और वह बोला, "तुम्हें ऐसे गलत काम नहीं करने चाहिए। अच्छे बच्चों को ही साथी बनाओ। बेटा, अच्छे बच्चे बनो।"

सोचिए और बताइए– अब नन्हें के साथ माली क्या करेगा?

नन्हें को लगा, जैसे माली के रूप में सही **राह** बताने वाला कोई **गुरु** खड़ा है। उसने उसी समय तय किया कि– मैं अच्छा बच्चा बनूँगा।

यह नन्हें कोई और नहीं बल्कि लाल बहादुर शास्त्री थे जो आगे चलकर अपनी सच्चाई और ईमानदारी के **बल** पर भारत के दूसरे प्रधानमंत्री बने।

संदेशः गलत कामों से दूर रहकर हमें अच्छे बच्चे बनना चाहिए।

Scanned with CamScanner

शब्द-अर्थ

स्कूल	–	पाठशाला, विद्यालय	**राह**	–	रास्ता
सहमना	–	घबराना, डरना	**आज्ञा**	–	आदेश, हुक्म
गुरु	–	शिक्षक, अध्यापक	**बल**	–	शक्ति
बुत-सा	–	मूर्ति के समान, बिना हिले-डुले			
जी ललचाना	–	मन का मोहित होना			
उकसाना	–	किसी काम को करने के लिए ज़ोर देना			

☞ **वाचन/श्रुतलेख–** माली, आज्ञा, गुरु, सच्चाई, ईमानदारी, प्रधानमंत्री।

अभ्यास

कक्षा में **स्मार्ट बोर्ड** पर **कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर** के माध्यम से इस पाठ का अभ्यास-कार्य कराएँ।

पाठ से

मौखिक

सोचिए और बताइए–

(क) माली ने क्या सोचकर नन्हें को पकड़ लिया?

(ख) नन्हें कौन था?

(ग) आगे चलकर नन्हें क्या बना?

लिखित

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर कुछ शब्दों में लिखिए–

(क) बच्चे कहाँ से लौट रहे थे? ....

(ख) सब बच्चे बाग में क्या तोड़ने गए? ....

Scanned with CamScanner

(ग) नन्हें ने क्या तोड़ा? ....

(घ) माली ने किसे पकड़ लिया? ....

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) नन्हें ने आम क्यों नहीं तोड़े?

(ख) माली ने नन्हें को समझाते हुए क्या कहा?

(ग) अंत में नन्हें ने क्या तय किया?

पाठ से आगे

आपकी सोच-समझ

- बच्चों ने आम के बाग में घुसकर माली से बिना पूछे आम तोड़े। क्या हमें ऐसा करना चाहिए और क्यों? बताइए।

कल्पना कीजिए

- माली को आता देखकर नन्हें के मन में कैसे-कैसे सवाल उठ रहे होंगे?

भाषा की दुनिया — विलोम शब्द, लिंग

1. उलटे अर्थ बताने वाले शब्दों को **विलोम शब्द** कहते हैं; जैसे– दूर-पास।

दिए गए शब्दों के विलोम शब्द में ✓ निशान लगाइए–

ईमानदारी	–	बेईमानी	☐	पुरस्कार	☐
कम	–	बड़ा	☐	ज़्यादा	☐
खिलना	–	मुरझाना	☐	उगना	☐
अच्छा	–	छोटी	☐	बुरा	☐
गलत	–	सही	☐	गलती	☐

Scanned with CamScanner

2. जिन शब्दों से उनके स्त्री जाति या पुरुष जाति होने का पता चले, उन्हें **लिंग** कहते हैं। लिंग दो तरह के होते हैं–

पुल्लिंग – बेटा, नाना, घोड़ा। **स्त्रीलिंग** – बेटी, नानी, घोड़ी।

दिए गए पुल्लिंग शब्दों का स्त्रीलिंग शब्दों से मिलान कीजिए–

पुल्लिंग	**स्त्रीलिंग**
बालक	माता
माली	बच्ची
पिता	लड़की
बच्चा	बालिका
लड़का	मालिन

रचनात्मक

खोजबीन

- 'आम' के भी कई नाम होते हैं; जैसे– दशहरी आम। इसी तरह आम के और कौन-कौन-से नाम हैं? कक्षा में एक-दूसरे से पूछकर लिखिए।
- लाल बहादुर शास्त्री भारत के दूसरे प्रधानमंत्री थे, तो भारत के पहले प्रधानमंत्री कौन थे?

आओ कुछ नया करें

- अच्छे बच्चों में कौन-कौन-से गुण होते हैं? कक्षा में एक-दूसरे को बताइए।
- आम को फलों का राजा क्यों कहते हैं?

Scanned with CamScanner

सही समय पर

(कविता)

कक्षा में स्मार्ट बोर्ड पर कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर का प्रयोग करें, जिसके माध्यम से बच्चे इस कविता का रोचक एवं प्रभावशाली ढंग से लयबद्ध गान करेंगे।

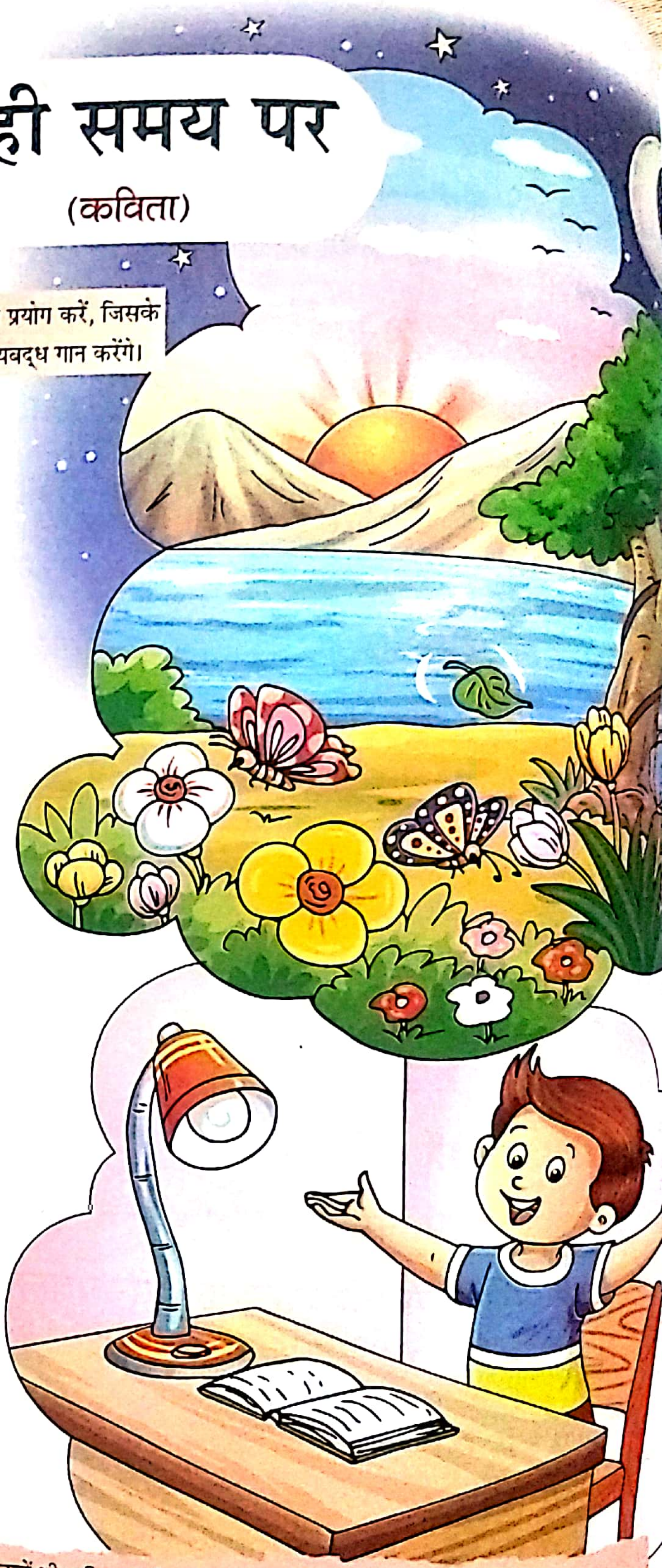

सही समय पर सूरज आता,
सही समय **ढल** जाता है।
चंदा भी **नित** समय से आता,
सही समय छिप जाता है।

सुबह समय से खिलती कलियाँ,
किरण देख मुसकाती हैं।
संग पवन के झूम-झूमकर,
नित **सुगंध** फैलाती हैं।

सही समय पर सोता-जगता,
वही **स्वस्थ** रह पाता है।
अपना काम समय पर करता,
वही **सफलता** पाता है।

संदेशः हर काम समय से करना चाहिए।

शिक्षक के लिए

- बच्चों को नाटकीय ढंग से यह कविता सुनाकर, उन्हें भी अभिनय सहित दोहराने के लिए कहें।
- बच्चों को समझाएँ कि समय से हर काम करना चाहिए; जैसे– समय से उठना, पढ़ना, खेलना।
- बच्चों को महात्मा गाँधी जी के बारे में बताएँ कि वे हर काम को समय से करते थे।

Scanned with CamScanner

शब्द-अर्थ

ढलना – सूरज का छिपना	**पवन** – हवा	**स्वस्थ** – तंदुरुस्त
संग – साथ	**सुगंध** – खुशबू	**सफलता** – कामयाबी
किरण – प्रकाश-रेखा	**नित** – रोज़	

☞ **वाचन/श्रुतलेख–** संग, किरण, सुगंध, स्वस्थ, सफलता।

अभ्यास

कक्षा में स्मार्ट बोर्ड पर कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर के माध्यम से इस पाठ का अभ्यास-कार्य कराएँ।

पाठ से

मौखिक

सोचिए और बताइए–

(क) आप कब सोते हैं तथा कब जागते हैं?

(ख) अगर आप सुबह देर से उठते हैं, तो क्या होता है?

(ग) कलियाँ क्या-क्या करती हैं?

लिखित

1. **दी गई कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–**

सही समय पर ....,
.... ढल जाता है।
चंदा भी नित ....,
.... छिप जाता है।

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) सूरज और चंदा समय से क्या-क्या करते हैं?

(ख) स्वस्थ कौन रहता है?

(ग) सफलता किसे मिलती है?

पाठ से आगे

आपकी सोच-समझ

(क) सूरज कब निकलता है तथा कब छिपता है? बताइए।

(ख) इस कविता से आपने क्या सीखा?

भाषा की दुनिया — पर्यायवाची शब्द, मिलते-जुलते शब्द

1. दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द छाँटकर लिखिए–

सूरज – ....

सुबह – ....

पवन – ....

सूर्य सवेरा हवा रवि वायु प्रातः

2. मिलते-जुलते शब्दों का मिलान कीजिए–

आता	हित
नित	सपना
अपना	नाम
काम	सविता
कविता	जाता

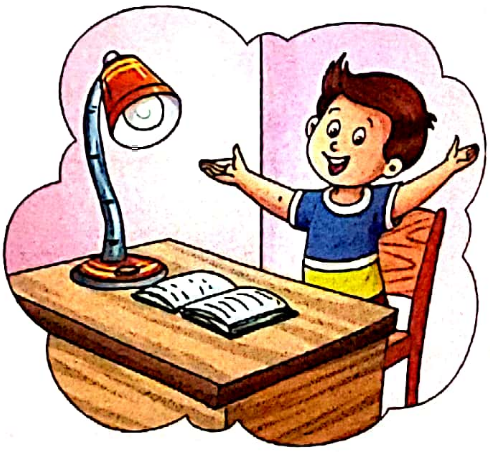

Scanned with CamScanner

रचनात्मक

सुनिए और बताइए

- अब आपके सामने अध्यापक/अध्यापिका एक कहानी सुनाएँगे। उसे ध्यानपूर्वक सुनकर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए--

  (अध्यापक/अध्यापिका श्रुतभाव ग्रहण हेतु पृष्ठ-88 देखें।)

  (क) शेर के मन में क्या प्रश्न उठा?

  (ख) अंतिम दौड़ किस दिन हुई?

  (ग) दौड़ में कौन गिर गया?

  (घ) अंत में कौन जीता?

बातचीत

- 'हर काम समय से करना चाहिए।' इस विषय पर आपस में बातचीत कीजिए।

आओ कुछ नया करें

- 'सही समय पर' कविता का लय में समूह गान कीजिए।
- चित्रों को देखकर बताइए कि घड़ी में कितने बजे हैं?

....

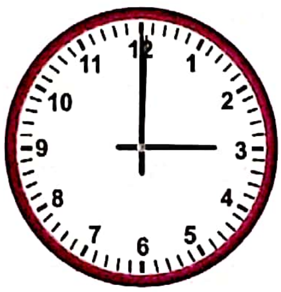

....

....

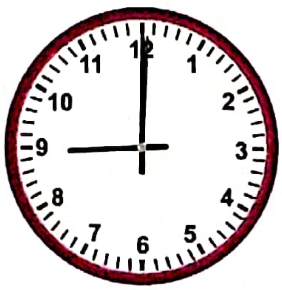

....

Scanned with CamScanner